चेतावनी | कॉलेज प्रबंधन के द्वारा नर्सिंग रजिस्ट्रेशन नहीं दिये जाने का मामला

47 नर्सिंग छात्राओं ने दी सुसाइड की चेतावनी

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट की सरदार पटेल यूनिवर्सिटी से बीएससी नर्सिंग कर रहीं 47 छात्राओं का भविष्य अधर में लटक गया है। नर्सिंग काउंसिल में यूनिवर्सिटी की मान्यता और पंजीयन न होने के कारण छात्राओं ने सामूहिक आत्महत्या की चेतावनी दी है।

पीड़ित छात्राओं का कहना है कि वे पिछले आठ माह से प्रशासन के चक्कर काट रही हैं, लेकिन उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं हो रहा है।

शिकायत लेकर छात्राओं ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी से मुलाकात की। इसके बाद प्रदेशाध्यक्ष ने पीड़ित छात्राओं के साथ नर्सिंग संचालनालय की चेयरपर्सन बीनु कुशवाहा से मुलाकात की।

पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को टैग करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि बैनर-पोस्टर से नहीं, बल्कि बेटियों को न्याय दिलाकर ही महिला सशक्तिकरण होगा। चेयरपर्सन ने आश्वासन दिया कि कॉलेज की कमी पर कार्रवाई कर पंजीयन सुनिश्चित किया जाएगा।

छात्राओं ने बताया कि साढ़े चार साल की पढ़ाई और करीब 5 लाख रुपए प्रति छात्रा खर्च करने के बाद भी वे नौकरी के लिए अपात्र हैं। ऑनलाइन पोर्टल पर यूनिवर्सिटी का नाम न होने से नर्सिंग काउंसिल में रजिस्ट्रेशन नहीं हो पा रहा है। इस तकनीकी बाधा के कारण छात्राएं हाल ही में निकली शासकीय भर्तियों में आवेदन करने से वंचित रह गईं।

वर्ष 2020 में प्रवेश लेने वाली इन छात्राओं के परिवारों ने कर्ज लेकर और जमीन गिरवी रखकर पढ़ाई पूरी कराई थी। छात्रा खुशबू भारद्वाज और प्रिंसी ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन ने प्रवेश के समय मान्यता के बड़े दावे किए थे, लेकिन अब वे जवाबदेही से बच रहे हैं। छात्राओं ने सीएम हेल्पलाइन और भोपाल के संबंधित विभागों में भी शिकायत दर्ज कराई है, मगर अब तक कोई ठोस परिणाम नहीं निकला है। वहीं मामले पर मैनेजमेंट एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर मंजीत सिंह ने कहा कि हमारा निजी विश्वविद्यालय है, इसलिए मेडिकल विश्वविद्यालय की हह्ष्ट की आवश्यकता नहीं है। नर्सिंग काउंसिल को अब स्थिति समझ आ गई है। सोमवार से छात्राओं के नाम प्रदर्शित किए जाएंगे। सभी दस्तावेज नवंबर में ही जमा कर दिए गए थे। मैनेजमेंट छात्राओं के साथ है और मान्यता से जुड़े सभी कागजात व औपचारिकताएं पूरी हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी में बड़े पैमाने पर कटौती, जमीनी नेताओं की अनदेखी पर बवाल

नवभारत, बालाघाट। जिला कांग्रेस कमेटी के नए गठन ने संगठन के भीतर भारी असंतोष को जन्म दे दिया है। लालबर्रा ब्लॉक से पिछले कार्यकाल में सक्रिय भूमिका निभाने वाले नारायण परिहार, मधु शर्मा, विशाल बिसेन, राकेश डहरवाल, रवि अग्रवाल, मनोहर अग्रवाल, ज्ञान शर्मा, दीपक अग्रवाल, अनीस खान, आनंद बिसेन और बालकृष्ण बिसेन जैसे अनुभवी और जमीनी नेताओं को इस बार पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है।

हैरानी की बात यह है कि बालाघाट क्षेत्र के भी कई कद्दावर और लंबे समय से पार्टी के लिए काम कर रहे चेहरों—रहीम खान, अल्ला रक्खा, जुगल शर्मा, राजा सोनी, सुधीर तिवारी, अशोक शर्मा, कल्लू सोनी, छबि राम नागेश्वर, शमीम सिद्दीकी, नितिन भोज, दिनेश धुर्वे, राकेश सिंगारे, राजेश ठाकुर और शेषराम रहांगडाले—को भी दरकिनार कर दिया गया। ये वे नाम हैं जो वर्षों से संगठन की रीढ़ माने जाते रहे हैं।

अब सवाल सीधा और तीखा है—आखिर इन जमीनी और सक्रिय कार्यकर्ताओं को किन

कारणों से नजरअंदाज किया गया? क्या यह फैसला संगठन को मजबूत करने के लिए लिया गया है या फिर इसके पीछे अंदरूनी खींचतान, पक्षपात और चापलूसी का खेल चल रहा है?

सबसे बड़ा प्रश्न यह भी खड़ा हो रहा है कि क्या यह चूक नेतृत्व स्तर की है या फिर ब्लॉक अध्यक्षों की नाकामी, जो अपने ही क्षेत्र के समर्पित कार्यकर्ताओं के हक में आवाज तक नहीं उठा सके? अगर जमीनी कार्यकर्ताओं की इस तरह अनदेखी होती रही, तो इसका सीधा असर संगठन की मजबूती और आगामी चुनावों पर पड़ना तय माना जा रहा है।

फिलहाल, कार्यकर्ताओं के बीच नाराजगी साफ दिखाई दे रही है और आने वाले दिनों में यह असंतोष खुलकर सामने आ सकता है।

दो डॉक्टरों पर लापरवाही का मामला दर्ज, जांच में जुटी कोतवाली पुलिस

डॉक्टरों की लापरवाही से युवक कोमा में

नवभारत, बालाघाट। कोतवाली पुलिस ने शहर के सरदार पटेल मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल के दो डॉक्टरो डॉ. हितेश कावडे और डॉ. श्रृष्टि जैन के खिलाफ बीएनएस की धारा 125(बी) के तहत अपराध दर्ज किया है। दरअसल, यह पूरा मामला मरीज विवेक तिरपुड़े (36) के ईलाज से जुड़ा है। जिसके हाथ में चोटे आने के बाद उसका ऑपरेशन किया गया

था। इस दौरान उसे दिए गए ओवरडोज एनेस्थिसिया के कारण, विगत दो महिने से युवक विवेक तिरपुड़े कोमा में है और उसका नागपुर में ईलाज चल रहा है। 12 अप्रैल को परिजनों ने विवेक के ऑपरेशन के बाद कोमा में जाने पर, अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया था। जिसमें स्वास्थ्य विभाग की ओर से शासकीय चिकित्सकों की टीम बनाकर जांच कराई गई थी। जांच टीम में शामिल डॉ. नागोराव रंगारे, डॉ. अंकित राणा और डॉ. प्रशांत चौरे ने जांच में पाया कि डॉ. हितेश कावडे और निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. श्रृष्टि जैन की लापरवाही के कारण मरीज तिरपुड़े कोमा की स्थिति में पहुंचा है। वर्तमान में किम्स-किंग्सवे हॉस्पिटल नागपुर की रिपोर्ट में भी एमआरआई रिपोर्ट में ब्रेन में ग्लोबल हायपॉक्सी इंजुरी पाए जाने पर पुलिस ने अब इस मामले में डॉक्टरो के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया था। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर ब्राडगेज रेल संघर्ष समिति ने सौंपा ज्ञापन

नवभारत, बालाघाट। मायल इंडिया लिमिटेड नागपुर के अधिनस्थ नौ मैंगनीज खदानों में अनुकंपा नियुक्ति समाप्त किए जाने से नाराज़ मजदूरों के साथ ब्राडगेज रेल संघर्ष समिति अध्यक्ष एडवोकेट अनूप सिंह बैस ने असिस्टेंट लेबर कमिश्नर छिंदवाड़ा को सम्बोधित ज्ञापन नवीन विजयवर्गीय लेबर इन्फोर्समेंट आफिसर को सौंपा जिसमें बताया गया कि मायल मैनेजमेंट द्वारा जहां एक ओर षड्यंत्र पूर्वक मजदूर संगठनों की मान्यता समाप्त की गई वहीं बिना केन्द्र सरकार की मंजूरी के अनुकंपा नियुक्ति समाप्ति के आदेश जारी कर दिए गए, साथ ही मजदूरों की सुरक्षा सुविधाओं और चिकित्सा उपचारों की अनदेखी की जा रही है, आउटसोर्स कर्मचारियों मजदूरों का शोषण किया जा रहा है निर्धारित दर से

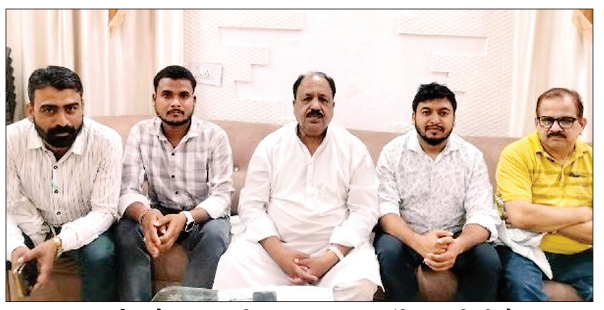

कम मजदूरी देकर अधिक समयावधि में काम लिया जा रहा है, इन सारी विसंगतियों को समाप्त कर अनुकंपा नियुक्ति यदि बहाल नहीं की गई तो वृहद स्तर पर मजदूरों के साथ आंदोलन किए जाएंगे, ज्ञातव्य हो कि इस विषय पर बैहर विधायक संजय उईके, परसवाड़ा विधायक मधु भगत, बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार, वारासिवनी विधायक विक्की पटेल ने भी सीएमडी मायल इंडिया लिमिटेड द्वारा नियम विरुद्ध अनुकंपा नियुक्ति समाप्त करने के विषय में इस्पात मंत्री डी कुमारस्वामी दिल्ली को भी अवगत कराया है। ज्ञापन सौंपते समय महेंद्र पचौरी, डाक्टर अमर बिसेन, मजदूर नेता पवन मरकाम, दुर्गेश महतो, मुकेश बागेश्वर, जगेलाल उइके, सूरज वादगुनेरे, राजा नगपुरे, सुदेश मेश्राम, विजय इंगले, अजीत गढ़पाले एवं अनेक पीड़ित मजदूर परिवार के सदस्य थे।

कटंगी की बेटी चहक दुबे का इसरो 'युविका-2026' में चयन

▶ श्रीहरिकोटा से भरेंगी विज्ञान की उड़ान, जिले और प्रदेश का नाम किया रोशन

नवभारत कटंगी 1 मई। शहर की होनहार छात्रा चहक दुबे ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि सपनों की कोई सीमा नहीं होती। अपनी मेहनत और जिज्ञासा के दम पर उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रतिष्ठित 'युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम (युविका-2026)' में चयन पाकर पूरे जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

अब चहक को सतीश धवन स्पेस सेंटर, श्रीहरिकोटा में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जो किसी भी विद्यार्थी के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। चहक, आइडल पब्लिक स्कूल चंदौरी वारासिवनी की कक्षा 10वीं

(सत्र 2026-27) की छात्रा हैं। इस वर्ष देशभर से कुल 456 विद्यार्थियों का चयन हुआ है, जिनमें मध्यप्रदेश से केवल 13 और बालाघाट से 2 विद्यार्थी शामिल हैं।

युविका इसरो की एक विशेष पहल है

'युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम (युविका)' इसरो की एक विशेष पहल है, जिसका उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में अंतरिक्ष विज्ञान, नवाचार और वैज्ञानिक सोच को विकसित करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित बच्चों को 12 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें वे सीधे देश के शीर्ष वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से सीखते हैं।

रॉकेट लॉचिंग प्रक्रिया बताई जाएगी

रॉकेट लॉन्चिंग की प्रक्रिया, रॉकेट कैसे बनता है, कैसे लॉन्च होता है और उसकी कार्यप्रणाली उपग्रह (सैटेलाइट) तकनीक सैटेलाइट कैसे काम करते हैं और पृथ्वी की निगरानी कैसे करते हैं। अंतरिक्ष मिशन जैसे चंद्रयान, मंगलयान जैसे अभियानों की जानकारी, स्पेस टेक्नोलॉजी का उपयोग मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, संचार आदि में अंतरिक्ष तकनीक की भूमिका के बारे बताया जाएगा।

नवाचार के लिए प्रेरित किया जाएगा

कार्यक्रम में बच्चों को सिर्फ जानकारी ही नहीं दी जाती, बल्कि उन्हें नवाचार के लिए प्रेरित किया जाता है। नई तकनीकों के बारे में सोचने की क्षमता समस्याओं का वैज्ञानिक समाधान खोजने की आदत, रिसर्च और डेवलपमेंट की प्रारंभिक समझ मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के वैज्ञानिक विजन से जुड़ाव यह प्रशिक्षण बच्चों के अंदर छिपे वैज्ञानिक को जगाने का कार्य करता है और उन्हें भविष्य के वैज्ञानिक, इंजीनियर और इनोवेटर बनने की दिशा देता है।

हत्यारे पिता-पुत्र को आजीवन कारावास

जबलपुर। खमरिया क्षेत्र में पानी के विवाद पर पड़ोसी युवक की कुल्हाड़ी व डंडे से हमला कर हत्या करने वाले पिता.पुत्रों को अदालत ने दोषी करार दिया है। न्यायाधीश एमडी रजक की अदालत ने आरोपी जगन्नाथ यादव व उसके पुत्र संदीप और प्रदीप यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही अदालत ने तीनों पर पांच.पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। मामले में शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक अभिषेक दीक्षित ने पक्ष रखा। जिन्होंने बताया कि 9 सितंबर 2024 की शाम पूरन यादव व उसका भाई अखिलेश यादव अन्य परिवार वालों के साथ जानवरों को बांधते हुए चारा रख रहे थे।

पाठ्यक्रम में पढ़ाई जाएगी राजा हिरदेशाह लोधी की जीवनगाथा : मुख्यमंत्री

हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई राजा हिरदेशाह की पुण्यतिथि

नवभारत, बालाघाट। प्रदेश की राजधानी भोपाल के जंबूरी मैदान में लोधी समाज द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय राजा हिरदेशाह लोधी पुण्यतिथि पर शौर्य यात्रा व शौर्य दिवस के विशाल व ऐतिहासिक कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बतौर मुख्य अतिथि राजा हिरदेशाह जी का जयकारा लगाकर घोषणा करते हुए कहा कि शिक्षा विभाग के पाठ्यक्रम में 1842 क्रांति के महानायक राजा हिरदेशाह लोधी जी की जीवनगाथा को पढ़ाया जाएगा। साथ ही कहा कि राजा हिरदेशाह जी की जन्म स्थली हीरापुर को एक तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा व जिसमें लगने वाला तमाम खर्च को शासन वहन करेगा। राजा हिरदेशाह की जीवनगाथा से जुड़े हर पहलू पर रिसर्च करवाई जायेगी। राजा हिरदेशाह अपने बुद्धि, बल व शौर्य के दम पर अंग्रेजी हुकूमत से लड़े जो बड़ी बात हैं, उनका जीवन व नेतृत्व हमारे लिए प्रेरणादायक हैं। मुख्यमंत्री ने रानी अबन्ति बाई जी

को भी स्मरण करते हुए कहा उनकी सरकार मातृभूमि के लिए कुर्वानी देने वाले अमर शहीदों का सम्मान करती हैं इसीलिए सागर में रानी अबन्ति बाई के नाम से यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई हैं। उन्होंने यह भी कहा लोधी समाज वीरता व योद्धा परंपरा का प्रतीक हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुये अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध महासभा के प्रदेश प्रवक्ता शौकत बिसाने ने बताया कि यह आयोजन अखिल भारतीय लोधा लोधी लोध महासभा के प्रदेशाध्यक्ष व पूर्व मंत्री जालमसिंह पटेल के नेतृत्व में पंचायत एंव ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के मार्गदर्शन में लोधी समजा, गौड़ समाज व आलोक संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। जिसमें शामिल हुई पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने राजा हिरदेशाह व महापुरुषों को नमन करते हुए, कहा सामाजिक रूप से विषमता आरक्षण के बल पर ही मिट सकती है, और आरक्षण तब तक रहेगा ज़ब तक कि देश के सभी स्तम्भो पर पिछड़े शोषितो को अपनी संख्या अनुसार न्याय नहीं मिल जाता। तब तक कोई माई का लाल आरक्षण नहीं हटा सकता। आज भी देश में आर्थिक विषमता हैं जिससे आजादी जरूरी हैं, उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर भी बल दिया। उन्होंने लोधी समाज कों कहा केंचुआ नहीं साँप बनकर रहने और आवश्यकता पड़ने पर फुफकारने की भी जरूरत हैं। उन्होंने सामाजिक बुराईयों व कुरीतियों से भी दूर रहने की बात कही। केबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने राजा हिरदेशाह कों नमन करते हुए कहा कि राजा हिरदेशाह 1942 की क्रांति के अग्रदूत रहे और उन्हे कठिन कारावास में रखा गया। उनकी रियासत को छिन लिया गया। परिवार के 16 सदस्यों को मौत के घाट उतार दिया गया। इस वीर साहसी व लड़ाकू राजा जिसने अंग्रेजी हुकुमत के खिलाफ विरोध का बिगुल फूंका उसके वंशज आज भी भूमि हीन हैं जोकि दुख का बिषय हैं, राजा हिरदेशाह व उनके वंशजों कों जो स्थान मिलना चाहिए वह नहीं मिला हैं, जिन्होंने आजादी की क्रांति में योगदान दिया आज वह पिछड़ों में हैं, हमें समाज कों शिक्षित समर्थवान व संस्कारवान बनना होगा, समाज कि कमजोरियो पर चिंता करना होगी, समाज का हर व्यक्ति ज़ब सशक्त होता हैं तब समाज शशक्त होगा।

उन्होंने यह भी कहा जो आप बोले उसे आचरण में भी उतारे। नर्मदा भक्त दादा गुरु ने कहा राजा हिरदेशाह, रानी अवंति बाई, रानी दुर्गावती जैसे महापुरुषों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है। पूर्व विधायक मंत्री व लोधी समाज प्रदेश अध्यक्ष जालम सिंह पटेल ने राजा हिरदेशाह की जीवन गाथा पर प्रकाश ड़ालते हुए कहा कि रानी अवंति बाई, राजा हिरदेशाह, राजा डेलन शाह, राजा नरवर शाह इत्यादि से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने की जरूरत हैं, उन्होंने कहा आज इन राज परिवारों की हालत ठीक नहीं हैं, उनके पास कुछ भी नहीं हैं उन्हें शासन स्तर से जो मिलना चाहिए वह नहीं मिला। उन्होंने यह भी कहा वह लोधी समाज व आदिवासी समाज के हर सुख दुख में साथ हैं।

गॉडर पुल की सफाई, फिर शुरू हुई आवाजाही

नवभारत, परसवाड़ा। लामता-बैहर मार्ग पर स्थित गॉडर पुल एक बार फिर चर्चा में है। ब्रिटिश कालीन इस ऐतिहासिक पुल को हाल ही में प्रशासन की पहल से नई जिंदगी मिली है। जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी धन्नाराम उइके के निर्देश पर पुल के आसपास उगी झाड़ियों की सफाई कराई गई और लंबे समय से बंद पड़े इस पुल पर सीमित आवाजाही दोबारा शुरू कर दी गई है।

दो साल बाद मिली राहत करीब दो वर्षों से बंद पड़े इस पुल को अब पैदल यात्रियों, साइकिल और बाइक सवारों के लिए खोल दिया गया है। हालांकि सुरक्षा को देखते हुए भारी वाहनों के आवागमन पर रोक जारी है। इससे स्थानीय ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है।

ब्रिटिश दौर की इंजीनियरिंग का नमूना यह पुल 19वीं सदी के अंतिम दौर में निर्मित माना जाता है और लंदन से मंगाए गए लोहे से तैयार किया गया था। आज भी इसके ढांचे पर इंग्लैंड की कंपनियों के निशान देखे जा सकते हैं, जो इसकी ऐतिहासिकता को दर्शाते हैं।

स्थानीय स्मृतियों में बसा इतिहास ग्रामीणों के अनुसार यह पुल उनके पूर्वजों के समय से मौजूद है। बुजुर्गों की मानें तो 1926 के आसपास इसका निर्माण पूरा हुआ था।

उपयोग की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इसे स्थायी रूप से संरक्षित करने के लिए धरोहर घोषित करना जरूरी है। अधिकारी ने साइन बोर्ड और रंग-रोगन की भी योजना जताई है।

उपेक्षा और चोरी से नुकसान 7 देखरेख के अभाव में पुल के कई लोहे के हिस्से चोरी हो चुके हैं और नीचे लगे जाल भी गायब हो गए हैं। आसपास गंदगी की समस्या भी बनी हुई है, जिससे इसकी हालत प्रभावित हुई है।

महिलाओं ने लोगों की जेब से निकालकर फोड़ी शराब की बोतल

▶ सेलवा शराब दुकान के सामने गांव की महिलाओं का धरना, स्थान परिवर्तन की मांग, प्रशासन से की कार्रवाई की मांग

नवभारत कटंगी 1 मई। बालाघाट जिले में शराब के खिलाफ महिलाओं का आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। कई स्थानों पर महिलाएं शराबबंदी के लिए सड़कों पर उतर आई हैं। इसी कड़ी में कटंगी थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत सेलवा की महिलाओं ने भी शराब दुकान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। 1 मई को गांव की दर्जनों महिलाएं सेलवा स्थित देशी शराब दुकान के सामने पंडाल लगाकर धरने पर

बैठ गईं।

उनका कहना है, 'हम गांव को सुधारने बैठे हैं। शराब दुकान का स्थान परिवर्तन करो।' धरने पर बैठी महिलाओं ने कुछ लोगों की जेब से शराब की बोतलें निकालकर मौके पर ही फोड़ दीं।

15 दिन पहले दिया था ज्ञापन, अब सड़क पर उतरीं

महिलाओं ने बताया कि करीब 15 दिन पहले उन्होंने कटंगी थाने पहुंचकर वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा था कि गांव में अवैध शराब का विक्रय नहीं होगा। महिलाओं ने खुद नियम बनाया है कि 'अगर शराब पीनी है तो अपने घर जाकर पीयो या गांव के बाहर शराब दुकान में, गांव में कहीं भी बैठकर शराब नहीं पियेंगे।' महिलाओं के दबाव के बाद दुकान के आसपास की वह दुकानें बंद करा दी गईं जहां लोग शराब पिया करते थे।

रात 11:30 बजे तक रोज बैठेंगे, मांग नहीं मानी तो आंदोलन

शराब दुकान के सामने सुबह 10:30 बजे से पंडाल लगाकर बैठी महिलाओं ने कहा कि 'रात 11:30 बजे तक हम इसी प्रकार बैठे रहेंगे और प्रतिदिन बैठेंगे। हमारी मांग है कि अब गांव में शराब दुकान नहीं होना चाहिए, दुकान को दूसरे स्थान पर परिवर्तन किया जाए।'

महिलाओं ने दी चेतावनी

महिलाओं ने चेतावनी दी यदि सरकार अगर हमारी बात नहीं मानती, प्रशासन अगर हमारी बात नहीं मानता तो बड़ा आंदोलन होगा और हम लगातार बैठे रहेंगे। शराब के सेवन से काफी नुकसान हो रहा है। नई उम्र के लड़के भी शराब पी रहे हैं, पैसे भी बर्बाद कर रहे हैं और अपने शरीर को भी नष्ट कर रहे हैं। हमारी मांग जायज है।

अंजू रामटेक और हर्ष पर लगाया दखलंदाजी का आरोप

30 अप्रैल को महिलाओं ने कटंगी थाना पहुंचकर पुलिस एसडीओपी विवेक कुमार शर्मा को लिखित शिकायत दी। शिकायत में बताया कि 'हमारे गांव में हमारे द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उसके बाद भी शराब दुकान के पास निवास करने वाली अंजू रामटेक और उसके पुत्र हर्ष रामटेके द्वारा हमारे जागरूकता अभियान में दखलअंदाजी की जा रही है। समझाने जाते हैं तो गंदी गालियां देते हैं और फंसाने की धमकी भी देते हैं।

प्रशासन की प्रतिक्रिया

मामले में एसडीओपी विवेक शर्मा ने कहा कि महिलाओं की शिकायत प्राप्त हुई है। पूरे मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है।

वन अधिकार अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर बैहर में समीक्षा बैठक

नवभारत, बैहर। वन अधिकार अधिनियम 2006 के क्रियान्वयन एवं वन पट्टा दावों के निराकरण में आ रही समस्याओं के समाधान के लिए 01 मई को बैहर में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में टास्क फोर्स समिति के सदस्य श्री गिरीश कुबेर ने अधिकारियों एवं समिति सदस्यों के साथ विस्तृत चर्चा की।

बैठक में वन पट्टा दावों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों को शीघ्रता से निपटाने के निर्देश दिए गए। साथ ही दावा प्रक्रिया में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं एवं उनके समाधान के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर अधिकार मिल सके। इस अवसर पर बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता, परसवाड़ा एसडीएम श्री श्रीश प्यासी, जिला स्तरीय समिति के अन्य सदस्य एवं मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया।